Patrika (Indore), 23rd December 2021, Page-2

व्यू एंड रिव्यू एंकर

चार दिनी मप्र विज्ञान सम्मेलन और विज्ञान एक्सपो के आगाज पर बोले सीएम चौहान

मध्यप्रदेश को फिर बनाएंगे विज्ञान और प्रौद्योगिकी का गढ़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. प्रदेश में न तो तकनीक की कमी है और न ही हुनर की। हम इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं कि विज्ञान और तकनीक के जरिए प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। हम चाहते हैं कि प्रदेश फिर से विज्ञान और प्रौद्योगिकी का गढ़ बने।

यह कहना है मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का। वे आइआइटी इंदौर में बुधवार से शुरू हुए चार दिनी मप्र विज्ञान सम्मेलन और विज्ञान एक्सपो के शुभारंभ अवसर पर वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विज्ञान और तकनीक के जरिए प्रदेश को विकास की दिशा पर ले जाने के लिए प्रदेश सरकार जल्द ही वैज्ञानिकों और टेक्नोक्रेट्स की टीम बनाने जा रही है। विज्ञान के क्षेत्र में भारत हमेशा से अग्रणी रहा था। बीच में ऐसा दौर आया जब हम कमजोर पड़े उस समय विदेशी हमारे ज्ञान और लिट्रेचर को ले गए और उसका जमकर इस्तेमाल कर प्रगति की। अब देश फिर अपनी जड़ों को मजबूत कर रहा है। विज्ञान का महत्व हमने दुनिया को बताया है। इसे लेकर जब जीरो दिया मेरे भारत ने... गीत भी बना। कार्यक्रम में आइआइटी के चेयरमैन दीपक फाटक ने कहा, हमारे देश में योग्यता और आकांक्षा की कमी नहीं है। जरूरत सिर्फ अवसरों की है। पद्मविभूषण डॉ. अनिल काकोड़कर ने कहा, देश के कई हिस्से अब भी विज्ञान की पहुंच से दूर हैं। कोविड के दौरान लगी ऑनलाइन क्लासेस इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कई ग्रामीण और पिछड़े इलाकों के बच्चों तक इन क्लासेस की पहुंच नहीं थी। ये अंतर खत्म हो इसलिए भी माहौल बनना जरूरी है।

कोयले से लेकर वनस्पति तक है यहां

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश में संसाधन की कमी नहीं है। 30 फीसदी वनक्षेत्र है जहां कई तरह की वनस्पति और औषधियां हैं। प्रदेश में हीरे से लेकर कोयले तक ही उपलब्धता हैं। हम कोशिश कर रहे हैं कि इनका सही तरीके से इस्तेमाल करते हुए दुनिया में फिर कैसे प्रदेश को आगे लाया जाए। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में हिस्सा ले रहे वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षकों व विद्यार्थियों से सुझाव भी आमंत्रित किए है।

जारी रहे ये पहल

आइआइटी के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश जैन ने कहा, आम विद्यार्थियों को विज्ञान के बड़े संस्थानों में चल रही गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार की यह पहल सराहनीय है। इसका अधिक से अधिक लाभ मिले इसलिए अब यह प्रयास रुकना नहीं चाहिए। इस तरह के सम्मेलन से नई पीढ़ी का विज्ञान के प्रति दृष्टिकोण विकसित होगा।

कॉलेज-यूनिवर्सिटी में आज होंगे सेमिनार

विज्ञान सम्मेलन के तहत गुरुवार और शुक्रवार को शहर के डीएवीवी, मेडिकेप्स, श्री वैष्णव विद्यापीठ, रेनेसां यूनिवर्सिटी, एमजीएम मेडिकल कॉलेज सहित अन्य संस्थानों में सेमिनार होंगे। आयोजन समिति के कार्यकारी सचिव डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा ने बताया, सम्मेलन के जरिए विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे प्रयोगों पर चर्चा करने के साथ ही विद्यार्थियों के समक्ष नई तकनीकें व अविष्कारों को रखा जा रहा है।